K–1083

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

CVK–01

Certificate in Vedic Karmkand (CVK)
Ist Year Examination Dec., 2023

कर्मकाण एवं पंचाग कर्म परिचय

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. षट्कर्म क्या है ? इसका विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. मानव जीवन में संध्या का क्या महत्व है ? इसका निरूपण कीजिए।

3. भारतीय परम्परा के अनुसार पूजन के महत्व को परिभाषित कीजिए।

4. वेद से आप क्या समझते हैं ? किन्हीं **दो** वेदों का वर्णन कीजिए।

5. पूजन पद्यति में संकल्प का क्या महत्व है ? इसका विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्रों का परिचय दीजिए।

2. षोडशोपचार पूजन के क्रम को लिखिए।

3. अश्विनी कुमार के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. प्रत्यधिदेवता कौन-कौनसे है ? उनके नामों का उल्लेख कीजिए।

5. सूर्य व चन्द्र के वैदिक मन्त्रों को लिखिए।

6. पञ्चांग न्यास किसे कहते हैं ?

7. अधिदेवताओं के क्रम को लिखिए।

8. किन्हीं **चार** नक्षत्रों में जन्म लेने वाले जातकों का शुभाशुभ फल लिखिए।

****